(c) the names of those officers; and

(d) the reasons for their extension or reappointment ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) : (a) and (b). Nil.

(c) and (d). Do not a rise.

फालतु पुर्जों का आयात

5565. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा तथा समवाय-कार्य** मंत्री फालतू पुर्जों के आयात के बारे में 19 नवम्बर, 1968 के तारांकित प्रश्न संख्या 207 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस बीच आवश्यक सूचना एकत्र कर ली गई हैं और यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ख) यदि आवश्यक मिश्रित धातुओं के आयात की अनुमति दी जाये तो देश में आवश्यक फालतू पुर्जे बनाने से कितने रुपयों के कुल विदेशी मुन्द्रा की बचत होगी ?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) जी नहीं ।

(ख) देश में निर्मित मशीनों और उपकरणों के किए फालतू पुर्जों की आवश्यकता सामन्यत: देश से ही पूरी की जाती है । अत: फालतू पुर्जों के आयात का प्रश्न केवल उन्हीं मशीनों और उपकरणों तक सीमित है जिनका पहले आयात किया गया था । उपर्युक्त किस्म की मिश्रित धातुओं तथा अन्य कच्चे माल का समय के अन्दर न मिल सकना इस प्रकार तैयार किये गये फालतू पुर्जो के प्राप्त करने के संबंध में अनेक कठिनाइयों में से एक कठिनाई है । अन्य मूलभूत रूकावटें इस प्रकार के हिस्से के खाकों, प्रत्येक के विस्तृत विशिष्ट विवरणों का न मिलना तथा प्रत्येक फालतू पुर्जे की कम आश्यकतायें हैं, जिनके कारण अकसर बचत पूर्ण ढंग से इनका निर्माण करने की गूंजाइश नहीं रह जाती । इस स्थिति को देखते हुये यह बता सकना कठिन है कि अपेक्षित मिश्रिण धातुओं के आयात की अनुमति देकर देश में ही इस प्रकार के फालतु पुर्जो का निर्माण करके रुपयों में कितनी विदेशी मूद्रा की बचत की जा सकती है ।

अन्दमान द्वीप में 'ओन्जेस' जनजाती के लोग

5566. **श्री ओंकार सिंह :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या **विधि तथा समाज कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि छोटे अन्दमान द्वीप में रहने वाले 'ओन्जेस' नामक जन जाती के व्यक्तियों की संख्या वर्ष 1946 में 600 थी, जो वर्ष 1968 में घटकर 200 रह गई है ;

(ख) क्या सरकार को इस वात की जानकारी है कि निकट भविष्य में इस जन जाती के बिल्कुल समाप्त हो जाने का भय है ; और

(ग) यदि हां, तो इस जन जाती को समाप्त होने से बचाने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

विधि मंत्रालय तथा समाज कल्याण विभाग में राज्य मंत्री (डा० श्रीमती फूलरेणु गुह) :(क) 1931 तथा 1951 की जनगणनाओं में ओन्जे जनजाती की गणना नहीं की गई थी, बल्कि जनसंख्या का केवल अन्दाजा ही लगाया गया था, जो 1931 के लिए 250 था । 1951 के लिये 150 था 1961 की जनगणना के दौरान वास्तविक गिनती की गई थी और जनसंख्या

129 पाई गई ।

(ख) तथा (ग). इंडियन कौंसिल आफ मेडिकल रिसर्च द्वारा भेजे गए डाक्टरों के एक दल ने इस जनजाती का चिकित्सा सर्वेक्षण किया गया तथा एक मानव विज्ञान सर्वेक्षण भी शुरू किया गया है। उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक औषधालय स्थापित किया गया है।

डालमिया समवाय समूह

5567. **श्री भारत सिंह चौहान :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या **औद्योगिक विकास आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1961-62 में डालमिया समवाय समूह की कितनी पूंजी थी ; और

(ख) इस समय डालमिया समवाय-समूह की कितनी पूंजी है तथा यह किस सीमा तक बढ़ी है ?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री **फखरूद्दीन अली अहमद**) : (क) एकाधिकारी जांच प्रयोग द्वारा, आर० के० डालमिया तथा जयदयाल डालमिया के समूहों से संबंधित, दिखाई गई कम्पनियों की प्रदत्त पूंजी, 1961 62 से 11.22 करोड़ रुपयों के सम्मिलित आंकड़ों की थी।

(ख) उपलब्ध सूचना के अनुसार, यह प्रतीत हुआ है कि उपरोक्त कम्पनियों की प्रदत्त पूंजी 1967-68 में 13.07 करोड़ रुपयों की हो गई। अतः 1961-62 से 1967-68 तक की अवधि में इसमें 1,85 करोड़ रुपयों की बढ़ौतरी हो गई है।

टाटा कम्पनी समूह की पूंजी

5568. **श्री भारत सिंह चौहान :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य**मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1961-62 में टाटा कम्पनी समूह में कुल कितनी पूंजी विनियोजित थी ; और

(ख) टाटा कम्पनी समूह में इस समय कितनी पूंजी लगी हुई है और तब से इस कम्पनी समूह की पूंजी को कितनी वृद्धि हुई है?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री **फखरूद्दीन अली अहमद**) : (क) तथा (ग). 1961-62 के वर्ष की, टाटा समूह से संबंधित कम्पनियों की परिसम्पतियों के बारे में सूचना शीघ्रतः उपलब्ध नहीं है। एकाधिकार जांच आयोग द्वारा, 1963-64 के वर्ष की इस समूह की कम्पनियों की प्रदत्त पूंजी, 102.3 करोड़ रुपये निर्धारित की गई थी। श्री बी० दत्ता द्वारा किये येग सर्वेक्षण के अनुसार 1966-67 के वर्ष में, एक नवीनतम वर्ष, जिसके बारे में शीघ्रतः सूचना उपलब्ध हुई है, प्रदत्त पूंजी के तुलनीय आंकड़े, 23.4 करोड़ रुपयों की बढ़ोतरी से, कुल 125.7 करोड़ रुपये के हो गये।

Houses constructed with grants given to Orissa Government for Sweepers and Scavengers

5569. SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI : Will the Ministerof LAW AND SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) the number of houses constructed with the grant-in-aid given to Orissa Government for housing of sweeper and scavangers under the centrally sponsored schemes in 1966-67 and 1967-68;